खण्ड-12 संख्या-15

बिहार विधान-सभा वाद-वृत्त

वृहस्पतिवार, तिथि 16 जुलाई, 1998 ई०

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान-सभा
का
कार्य-विवरण।

सभा का अधिवेशन पटना के सभा सदन में
वृहस्पतिवार, तिथि 16 जुलाई, 1998 को पूर्वाह्न 10:30 बजे
अध्यक्ष, श्री देवनारायण यादव के सभापतित्व में प्रारम्भ हुआ।

खण्ड-12 संख्या-15

बिहार विधान-सभा वाद् वृत्त।

(भाग-१ कार्यवाही प्रश्नोत्तर)

वृहस्पतिवार, तिथि 16 जुलाई, 1998 ई०

विषय-सूची

प्रश्नों के लिखित उत्तर :-

प्रश्नों के मौखिक उत्तर :-

अल्प सूचित प्रश्नोत्तर संख्या :- 16, 17, एवं 56

तारांकित प्रश्नोत्तर संख्या :- 959, 1552, 1554 एवं 1555

परिशिष्ट- (प्रश्नों के लिखित उत्तर):-

दैनिक निबंध

टिप्पणी :- किन्हीं मंत्रियों एवं सदस्यों ने अपना भाषण संशोधित नहीं किया है।

अल्पसूचित प्रश्नोत्तर

मोटर पम्पों पर जेनरेटर की व्यवस्था

'क' १६. श्री नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा- क्या मंत्री, नगर विकास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि-

(1) क्या यह बात सही है कि राजधानी पटना के पन्द्रह लाख चलन्त आबादी की पेयजल मुहैया कराने हेतु मात्र 72 वाटर पम्प है। जिसमें से 50 पम्प अपनी निर्धारित समय सीमा कई वर्ष पूर्व ही समाप्त कर चुके है तथा 80-85 वर्ष पुराने दो इंच या चार इंच के पाइप पम्पों का लोड नहीं ले पाते है जिससे शहर के अधिकांश इलाकों के निवासियों को पीने का पानी नहीं मिल पा रहा है;

(2) क्या यह बात सही है कि बिजली की समस्या के कारण मोटर पम्पों का जलना, लो-वोल्टेज, तकनीकी खराबियां आदि कारणों से पेयजल समस्या को अधिक गम्भीर बना दिया है।

(3) यदि उपर्युक्य खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सरकार पटना की आबादी के अनुरूप नये मोटर पम्पों का निर्माण, पुराने पाइपों को बदल कर नये पाइप तथा हरेक मोटर-पम्प पर जेनरेटर की सुविधा कराने का विचार रखती है, नही, तो क्यों?

श्री उदित राय: 1- आंशिक रूप से स्वीकारात्मक है। वस्तुस्थिति यह है कि पटना शहर में पेयजल आपूर्त्ति हेतु 74 पंप उपलब्ध है इसमें से 70 पंप कार्यरत है। पटना शहर के पुराने मुहल्लों तथा लोहानीपुर, सालिमपुर अहरा, बाकरगंज, कदमकुंआ, गर्दनीबाग आर० ब्लॉक, महेन्द्रू, पटना सिटी क्षेत्र आदि में 2 से 4 इंच व्यास के पाइप लगे हुये हैं जिसमें चरणबद्ध तरीके से बदलने की कार्रवाई निधि उपलब्ध होने पर की जायेगी।

2- आंशिक रूप से स्वीकारात्मक है। मोटर पंप के जलने की स्थिति में इन्हें शीघ्र ठीक करवाकर जलापूर्त्ति चालू कर दी जाती है।

3- पटना शहर में पेय जल आपूर्त्ति की समुचित व्यवस्था के लिये हुडको से ऋण लेकर 30 स्थानों पर नया बोरिंग लगाने का कार्य किया जा रहा है। इसके

अतिरिक्त वाह्य सहायता प्राप्त करनें हेतु 158.80 करोड़ रू० की योजना बनाकर भारत सरकार को समर्पित किया गया है। इसके अंतर्गत पेयजलापूर्ति सीवरेज तथा ठोस अवशिष्ट प्रबंधन की योजनाएं सम्मिलित हैं। पूरे पटना शहर को जेनरेटर की व्यवस्था से पेयजल आपूर्ति करना आर्थिक दृष्टिकोण से संभव प्रतीत नहीं होता है। ऐसी व्यवस्था भरोसेमंद नहीं रहेगी तथा प्रदूषण होने की संभावना बनी रहेगी।

श्री नवीर किशोर प्र0 सिन्हा: अध्यक्ष महोदय, अभी मंत्री जी ने कहा कि राशि की उपलब्धता नहीं है और हुडको से 30 पम्प लगाने की दृष्टि से काम चल रहा है। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि वर्ष 1992-93 में हुडको ने ऋण 70 प्रतिशत 30 बोरिंग को कराने के लिये उपलब्ध कराया था और उसके साथ साथ उसमें था कि 11 पुराने बोरिंग और 19 नये बोरिंग का प्रावधान था, उसमें 10 हजार मीटर पाईपलाईन के विस्तार का कार्य पूरा करना था । पैसा 1992-93 में इनको उपलब्ध था, आज तक एक बोरिंग का भी काम कम्प्लीट नहीं हुआ है, इसके बारे में मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूँ।

इसके साथ ही साथ, दूसरा मेरा प्रश्न है कि इसमें 92-93 से लेकर अब तक एक करोड़ रूपये से अधिक की राशि हुडको को सूद में देना पड़ता है, इसके लिये जिम्मेवार पदाधिकरियों पर सरकार कौन सी कार्रवाई करना चाहती है?

श्री उदित राय: महोदय, 23 करोड़ रूपये की योजना थी जिसमें 30 पम्प बनाना था। इसमें 14 पम्प बन चुके हैं, इसमें से 5 चालू हैं, जिसमें 4 आंशिक रूप से चालू हैं और एक फुल फ्लेज्ड चालू है। दूसरे फेज में और जो बनाने की बात है, उसके लिये भी छिद्रन का कार्य चल रहा है। पाईप विस्तार का जहां तक सवाल है, उसके लिये भी छिद्रन का कार्य चल रहा है। पाईप विस्तार का जहां तक सवाल है, अनेक बार टेंडर किये गये लेकिन उसमें टेंडर देने वाले के नहीं रहने के कारण विलम्ब हुआ। लेकिन अब टेंडर प्राप्त हो गया है और पाईप भी आना शुरू हो गया है। कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है। मैं समझता हूँ यह विस्तार करके और जलापूर्ति का काम पूरी तरह से कर दिया जायेगा।

श्री नवीन किशोर प्र0 सिहा: अध्यक्ष महोदय, मैं अभी स्पष्ट जानना चाहता हूँ।

मेरी पहली चुनौती है कि एक बोरिंग भी 10 हजार मीटर पाईप लाईन के साथ कम्प्लीट नहीं हुआ । मंत्री जी से आपके माध्यम से यह जानना चाहता हूँ कि पटना की आबादी के अनुरूप 150 बोरिंग की आवश्यकता हैं इसको सरकार कैसे और कबतक पूरा करना चाहती है?

अध्यक्ष : यह ठीक सवाल है आपका। आप भी पकड़े हुए हैं और उधर हाईकोर्ट भी पकड़े हुए है, इस बात को कि कैसे पटना ठीक हो।

श्री उदित राय : अध्यक्ष महोदय, मैंने कहा कि 14 बोरिंग कम्प्लीट है जिसमें पाईप विस्तार का काम 5 में हुआ है। एक पूर्ण रूप से हो गया है और वह कार्यरत है। 4 आंशिक रूप से चालू है, इसमें पाईप विस्तार का काम चल रहा है। मैं इन 14 का लिस्ट माननीय सदस्य का बता देना चाहता हूँ:- 1. ए० जी० कालोनी, 2. शेखपुरा, 3. राजवंशीनगर, 4. कटरा चेक पोस्ट, 5. कौआखोह, 6. पटना सिटी अस्पताल , 7. तुलसीमंडी, 8. दारू डिपो, 9. उधारमपुर, 10. मेंहदीगंज, 11. बिगरहपुर, 12. चांगर, 13. शिवपुरी, 14. दुसाधी पकड़ी।

श्री नवीन किशोर प्र0 सिन्हा: अध्यक्ष महोदय, मैं चुनौती देता हूँ एक भी कम्प्लीट नहीं है बोरिंग । आप सदन की समिति से जांच करवा लीजिए।

श्री उदित राय: पाईप विस्तार का काम सिर्फ 4 में आंशिक रूप से हुआ है । एक में पूरा हो चुका है और बाकी पाईप का आना शुरू हो गया है।

श्री नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा : मैं चुनौती देता हूँ। आप सदन की समिति को भेजिये, जांच करवा लीजिये, एक बोरिंग कम्प्लीट नहीं है, अध्यक्ष महोदय।

अध्यक्ष: मंत्री जी, जब ये चुनौती दे रहे हैं, आप खुद उसको जा कर देख लीजिये और काम ठीक से शुरू करवा दीजिये।

श्री उदित राय : दिसम्बर, 98 तक पूरा करा देंगे, महोदय।

श्री सुशील कुमार मोदी : अध्यक्ष महोदय, यह सबसे बड़ी गंभीर बात है। मंत्री महोदय ने स्वीकार किया कि हडको से पैसा मिला। तीन करोड़ 25 लाख रूपया तीन साल पहले मिला। 30 बोरिंग करना था जिसमें 14 भी इन्होंने नहीं कर पाए।

शेष राशि हडको इसलिए नहीं दे रहा है। सरकार ने काम पूरा नहीं कर पाया। मंत्री महोदय ने यह स्वीकार किया है। पाईप नहीं मिला इसलिए नहीं कर पाए। तीन साल से पैसा उपलब्ध है और लोग पानी के अभाव में प्यासे रह रहे हैं। सरकार बोरिंग नहीं करा पा रही है। महोदय, आप संरक्षण दें और सरकार को निदेश दें कि दिसम्बर, 1998 तक 30 बोरिंग का काम सरकार पूरा करे।

महोदय, एक बहुत बड़ी गड़बड़ी का कारण यह है कि यहां अलग अलग एजेंसी हैं, जैसे पी. एस. ई. डी., पटना वाटर बोर्ड और विश्वास बोर्ड । इसी सदन में माननीय सदस्य श्री नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा के सवाल पर माननीय सदस्य श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव, जब वे मंत्री थे, ने जबाव दिया था । उन्होंने जो जबाव दिया था उस पंक्ति को पढ़ देता हूँ ।

अध्यक्ष : वह पंक्ति क्या पढ़ते हैं जब सहमति हो गई दिसम्बर तक पूरा कराने की ।

श्री सुशील कुमार मोदी : इसी सदन में सरकार ने जबाव दिया था कि वाटर बोर्ड और विश्वास बोर्ड दोनों को एक साथ मिला दिया जायेगा और पूरे पटना में विश्वास बोर्ड से जलापूर्ति की जायेगी । फिर भी इतनी एजेंसी क्यों काम कर रहा है ?

अध्यक्ष : मैं माननीय मंत्री से कहना चाहता हूँ कि ये जो तीन एजेंसी है, उन सबों को सक्रिय करेंगे। मैं यह भी मानता हूँ जैसा नेता, विरोधी दल ने कहा कि दिसम्बर तक काम पूरा करा देंगे, कि आप तत्पर होगें दिसम्बर, 1998 तक काम पूरा कराइये।

सीमेन तथा नाइट्रोजन की नियमित आपूर्ति

'ख' १७. श्री राम जीवन प्रसाद- क्या मंत्री, पशुपालन एवं मत्स्य पालन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि-

(1) क्या यह बात सही है कि राज्य में विगत पांच वर्षों से फ्रोजेन सीमेन एवं नाइट्रोजन की आपूर्ति नियमित रूप से कृत्रिम गर्भाधान केन्द्रों को नहीं किये जाने